

गये—तो क्या कारण है कि जब वे रहने के काबिल नहीं थे तो कैसे मेडिकल वालों के रहने के काबिल हो गए ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : तीन दिन हुए यह सवाल आया था और मैंने यह अर्ज की थी कि अगर माननीय सदस्य मुझे लिखें, उसके डीटेल लिखें, तो मैं इन्क्वायरी करने के लिये तैयार हूँ । लेकिन एक चोज मैं जरूर कह दूँ, जो मौलाना आज़ाद कालिज है, जो पन्त हास्पिटल है, जिनका सम्बन्ध लोगों की ज़िन्दगी और सेहत से है उसके बारे में अगर मेरी यह कांशिश होगी कि उनके डाक्टरों और प्रोफसरों को मकान दे सकूँ तो मेरे लिये यह बड़ी खुशी का वात्स होगा और मैं समझता हूँ कि मुझे करना भी चाहिये ।

#### ALLOTMENT OF LAND TO M.Ps. FOR CONSTRUCTION OF HOUSES

\*355. SHRI ABDUL GHANI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration of Government to allot land in Delhi to those Members of Parliament who want to construct houses; and

(b) if so, what are the details of the proposal?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) and (b) A request was received about a year ago from some Members of Parliament for the allotment of land in New Delhi for the setting up of a colony mainly for Parliamentarians. When I held discussions with some of the Members the position was not very clear. The matter has, therefore, not been pursued.

شری عبدالغنی : کہا وزیر صاحب

فرمائیں گے کہ کیا ایسی کوئی تجویز ان کے سامنے آئی کہ پارلیمنٹ کے ممبران کی کوآپریٹو سوسائٹی بنے - تو کہا ان کو سرکار زمین دے پائے گی -

†[ش्री अब्दुल गनी : क्या वजीर साहब फरमायेंगे कि क्या ऐसी कोई तजवीज़ उनके सामने आई कि पार्लियामेंट के मेम्बरान की कोआपरेटिव सोसाइटी बने । तो क्या उन को सरकार ज़मीन दे पायेगी ? ]

श्री मेहर चन्द खन्ना : जहाँ तक को-ऑपरेटिव सोसाइटी का ताल्लुक है वह तो दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन डील करता है । जनाबेवाला, मैं अर्ज कर दूँ कि मैं चाहता हूँ कि मैं पार्लियामेंट के जो मेम्बर साहिबान हैं उन की सेवा करूँ लेकिन पार्लियामेंट के मेम्बर किसी हाउस में दो वर्ष होते हैं किसी में चार वर्ष होते हैं, आज होते हैं कल चले जाते हैं । उन का अपना "पूल" भी है । तो अगर पार्लियामेंट के मेम्बरान चाहते हैं कि उनके लिये खास कालानी बनाई जाय और वे सरकारी मकान नहीं लेना चाहते तो मैं यह अर्ज करूँगा कि दोनों हाउसेज की एक छोटी सी कमेटी बना दी जाय । मैं उनके साथ बैठ कर तमाम तफसील में जाने के लिये तैयार हूँ और जो भी सेवा हो सकेगी करने के लिये तैयार हूँ ।

شری عبدالغنی : کہا وزیر صاحب

فرمائیں گے کہ دونوں ہاؤسز کی کمیٹی جو بنائی ہے وہ تو ہمارے اختیار میں نہیں۔ وہ تو آپ کے اختیار کی چیز ہے۔ اس لئے کہا آپ ایسا مناسب نہیں

†[ ] Hindi transliteration.

سمجھتے کہ آپ پارلیمنٹ کے ان  
ممبروں کو جو یہاں دھنسا چاہتے ہیں—  
کئی ممبر تو بیس بیس برس چلتے  
چلے آ رہے ہیں پیارے لال کریں چھوٹے—  
تو کیا آپ کوئی ایسی جگہ دینے کے لئے  
تیار ہیں جہاں آپ ممبران کو  
ایکموزیشن کر سکیں۔

†[श्री अब्दुल सन्नी : क्या वजीर  
साहब فرमायेंगे कि दोनों हाउसेज की  
कमेटी जो बनाई है वह तो हमारे अख्तियार  
में नहीं। वह तो आपके अख्तियार की  
चीज है। इसलिए क्या आप ऐसा मुनासिब  
नहीं समझते कि आप पार्लियामेंट के उन  
मैम्बरों को जो यहां रहना चाहते हैं—  
कई मैम्बर तो बीस बीस बरस चलते चले  
आ रहे हैं, प्यारे लाल 'कुरील' जैसे—  
तो क्या आप कोई ऐसी जगह देने के लिये  
तैयार हैं जहां आप मैम्बरान को एकोमोडेट  
कर सकें। ]

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैं तो यही  
अर्ज करूंगा कि मेरा फर्ज है कि पार्लिया-  
मेन्ट के मैम्बर साहबान को सरकारी तरीके  
पर एकमोडेशन हूँ। आज मैं कह सकता  
हूँ, ६५ फी सदी पार्लियामेंट के मैम्बर  
साहबान को सरकारी तौर पर एकमोडेशन  
दी जा चुकी है। करीब १४४ नए फ्लैट्स  
रफी मार्ग पर बन रहे हैं और उन के लिये,  
जहां तक सरकारी तौर पर जगह देने का  
ताल्लुक है, कोई प्राबलम नहीं रहेगी।  
बाकी जो वे चाहते हैं कि पार्लियामेन्टरियन्स  
के लिए, एक्स पार्लियामेन्टरियन्स के लिए  
एक अलाहिदा कानून बने, योंकि जमीन  
का सवाल है, कीमत का सवाल है और  
जमीन का बंदोबस्त हो सकता है, तो कोई  
न कोई आदमी हो चाहे हाउस कमेटी हो,

चाहे स्पीकर साहब हों, चाहे डिपुटी  
चेयरमैन हों और वे बैठ कर इस तरह की  
स्कीम को बना दे और उस में मैं आगे बढ़ने  
के लिये तैयार हूँ।

श्री ए. - ایم - طارق : کیا یہ

درست ہے کہ سرکار نے پچھلے چند سالوں  
میں کم تنخواہ اور کم آمدنی والے  
لوگوں کو کچھ رعایتیں دی ہیں۔ اس  
سلسلہ میں اگر پارلیمنٹ کے ممبران  
ایک گوانٹینٹیو بلا کر رعایتی قیمت پر  
زمین کی درخواست کریں تو سرکار کا  
رد یہ اس میں کیا ہوگا۔

†[श्री ए० एम० तारिक : क्या यह  
दुस्त है कि सरकार ने पिछले चन्द सालों  
में कम तन्ख्वाह और कम आमदनी वाले  
लोगों को कुछ रियायत दी है ? इस सिल-  
सिले में अगर पार्लियामेंट के मैम्बरान एक  
कोआपरेटिव बना कर रियायती कीमत  
पर जमीन की दरखास्त करें तो सरकार  
का रवैया इस में क्या होगा ?]

श्री मेहर चन्द खन्ना : जहां तक मैं  
समझता हूँ, मिनिस्टर्स के लिये और पार्लिया-  
मेन्ट के मैम्बरान के लिये रूल्स बने हुए हैं।  
जो भी कोई रूल्स पार्लियामेंट बनाती है  
मैं उस पर अमल करने के लिये तैयार हूँ।  
आप सावरेन बाडी हैं। अगर आज यह  
फैसला किया जाय कि . . .

(Interruptions)

SHRI A. M. TARIQ: Members of  
Parliament . . .

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैं अभी सवाल  
का जवाब मुकम्मल नहीं कर सका। अगर  
आज यह सावरेन बाडी यह फैसला कर  
दे कि पार्लियामेंट के मैम्बर साहबान  
को . . .

SHRI AKBAR ALI KHAN: On a point of order. I think Members of Parliament have got no vested interests. They are just like other citizens. If they want anything either through a co-operative society or any other machinery, they should apply as citizens because Members of Parliament have got no right as Members of Parliament to get any preference over others.

श्री ए० बी० वाजपेयी : समापति जी, हम लोगों को दिल्ली में जमीन मिले इसके हक में हम नहीं हैं और इसलिये कोई समिति बनाई जाय इसका सवाल ही पैदा नहीं होता । मैं यह जानना चाहता हूँ कि किन सदस्यों की ओर से सस्ती दर पर जमीन दी जाय यह मांग की गई है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : नहीं ।

श्री ए० बी० वाजपेयी : प्रश्न के उत्तर में आपने कहा कि कुछ लोग आप से मिले थे और वे मांग कर रहे हैं कि उनको जमीन दी जाय ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : मेरे से सस्ती जमीन किसी ने नहीं मांगी । मेरे से किसी ने रियायत नहीं मांगी । मेरे से यह कहा गया है कि अगर गुम्हारी हाउसिंग प्राबलम किसी हद तक रिजॉल्व हो सकती है और एम० पी० के लिये भी एक सोसाइटी या को-ऑपरेटिव सोसाइटी बन जाय तो उसमें जैसे औरों को जमीन देते हो वैसे एम० पी० को भी देने के लिये तैयार हो । मैं आज भी ऐसा करने के लिये तैयार हूँ । इस में जहाँ तक मुझे याद है किसी पार्टी वगैरह का ताल्लूक नहीं था । एक रिप्रजेंटेशन आया था उस में बहुत से मेम्बर साहबान के दस्तखत थे । मेरे खयाल में, सब तरफ से आया था ।

श्री ए० बी० वाजपेयी : नहीं, नहीं हमारी तरफ से नहीं आया ।

(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: It seems that I have not been able to convince Members that I try to accommodate as far as possible. Why should they shout?

SHRI BHUPESH GUPTA: Sir, the position should be made absolutely clear as to why it is at all necessary for Members of Parliament who are given accommodation here, who come from distant parts of the country and for a limited period, to ask for land at concessional rates when local residents and others are not getting it. Do I have an assurance from the Government that no such advantageous accommodation shall be made available to Members of Parliament except in respect of those who are residents of Delhi or have bona fide reasons to live here? Therefore, the question of such a committee does not arise. Therefore, I should like to have a clear assurance from the Government that just because the housing problem is difficult, he will not allow Members of Parliament coming from all parts of the country—some of them, not all—to take advantage of the situation in order to secure land for themselves at concessional rate and build houses here.

SHRI MEHR CHAND KHANNA: As has been stated by Shri Akbar Ali Khan, a Member of Parliament is as good a citizen as anybody else. He has as good a charge on the Housing Minister as any other citizen. And if a request is made on the same lines like any other co-operative society, it will be looked into. But nowhere, as far as I can remember, have I said—and I can categorically say—that any concession was required in the matter of allocation of land or the purchase of land or the sale of land.

श्री प्यारेलाल कुरील : महोदय :

जुलै वाला - में दली में कम से कम २० या २५ साल से रहे रहा हूँ लेकिन में अभी तक इस कबिल नहीं हो सका कि कौनके में आम तौर पर आक्शन के फ्रीमे खरीदी जा सकती है - हम में से ज्यादातर में महरान गरीब तबके से ताल्लुक रखते हैं, तेलुक् रकते हैं एक दो परसेंट को छोड़ दीजिये जो बड़े बड़े मंगनेट या मालदार हैं, इन्डस्ट्रियलिस्ट हैं, मिल-मालिक हैं। हम में से ज्यादातर मेंबर इस कबिल नहीं होंगे कि आपन माकंट से प्लॉट खरीद सकें। मैं खुद मिनिस्टर साहब से पर्सनली मिला हूँ। मेरी छः लड़कियाँ हैं, तीन लड़के हैं। सन् १९५२ से बंगले के लिये कोशिश कर रहा हूँ लेकिन मुझे अभी तक अलाटमेंट नहीं दिया गया हालांकि कितने ही बंगले खाली हुए। इसके बाद मैं आनरेबल मिनिस्टर साहब से मिला। मैंने कहा, "मुझे कोई जगह ही दिला दीजिये।" उन्होंने कहा, "यह हो सकता है अगर आप किसी जमीन पर कब्जा कर लें।"

MR. CHAIRMAN: Kureel Saheb, please

श्री प्यारेलाल कुरील : महोदय :

में जुलै वाला से यह कहा चाहता हूँ...

†[श्री प्यारेलाल कुरील "तालिब" : मैं जनाबवाला से यह कहना चाहता हूँ...]

MR. CHAIRMAN: Mr. Kureel, when I speak you do not speak. We cannot speak together at the same time

श्री प्यारेलाल कुरील : महोदय :

तो में जानना चाहता हूँ उनके साथ...

†[श्री प्यारेलाल कुरील "तालिब" : तो मैं जानना चाहता हूँ उनके साथ...]

MR. CHAIRMAN: ... I want to tell you that this is a privileged occasion. A mention of the autobiography may be allowed, but not at this time.

श्री प्यारेलाल कुरील : महोदय :

में में से - में ने उन से कहा है मैंने तो मेरे लिये कौन-कौनसी

†[श्री प्यारेलाल कुरील "तालिब" : जनाब वाला, मैं दिल्ली में कम से कम बीस या पच्चीस साल से रह रहा हूँ लेकिन मैं अभी तक इस कबिल नहीं हो सका कि एक आर्डिनरी प्लॉट खरीद सकूँ क्योंकि जमीन आम तौर पर आक्शन के जरिये खरीदी जा सकती है। हम में से ज्यादातर मेंबरान गरीब तबके से ताल्लुक रखते हैं,

جائے - میں ریزن ایبل ریٹس پر  
بیسہ فیصد کے لئے تیار ہوں - یہ ممبر  
بننا بھی ایک سیاسی چسکہ ہے -  
ایک دفعہ جو سیاست میں گھس گیا  
اس کا پھر کوئی ذریعہ آمدنی نہیں رہ  
جائے۔ میں چاہتا ہوں - ہمارے لئے  
کوئی انتظام کیا جائے -

†[**آپ** **پیارےلال کوریل "تالیب"** :  
میں ان سے ملتا ہوں۔ میں نے ان سے کہا ہے یا  
تو میرے لیے کوئی جمان دیجئے، میں ریزنریبل  
ریٹس پر پئسا دینے کے لیے تیار ہوں۔ یہ  
ممبر بننا بھی ایک سیاسی چسکا ہے۔  
ایک دفا جو سیاست میں دھس گیا اسکا  
پھر کوئی جریا آمادنی نہیں رہ جاتا۔  
میں چاہتا ہوں ہمارے لیے کوئی انتظام  
کیا جائے۔]

**آپ** **سماپتی** : **کوریل** **ساہب**، **کچھ**  
**آپ** **فرمانا** **ہے** **تو** **فرما** **لیجیئے**۔

**شری** **پیارے** **لال** **کوریل** **دعوتالب** :  
**نہیں** **جی** - **دہائی** **ہے** **آپ** **کی** -

†[**آپ** **پیارےلال کوریل "تالیب"** :  
**نہیں** **جی**۔ **مہربانی** **ہے** **آپ** **کی**۔]

**آپ** **سید** **ابراہیم** : **میں** **وکیل** **ساہب** **سے**  
**ایک** **سوال** **کرنا** **چاہتا** **ہوں** **اور** **وہ** **یہ**  
**ہے** **کی** **رہی** **ماری** **میں** **پارلیامینٹ** **ممبران**  
**کے** **لیے** **جا** **مکانات** **بنا** **جائے** **رہے** **ہیں** **پلےٹس**  
**بنا** **جائے** **رہے** **ہیں**، **ان** **کے** **بننے** **کے** **بعد** **کیا**  
**ہم** **لوگوں** **کو** **سٹرن** **کونٹ** **ڈیڈ** **دینا** **پڑے**۔

**آپ** **مہر** **چند** **لکھنا** : **ابھی** **تو** **یہ**  
**سوال** **پیدا** **نہیں** **ہوتا** **ہے**۔ **لیکن** **بڑے** **دن**  
**ہو** **میں** **سپیکر** **ساہب** **کو** **وہاں** **پر** **لے** **گیا** **تھا**  
**اور** **جو** **پلےٹس** **پارلیامینٹ** **کے** **ممبران**  
**کے** **لیے** **بن** **رہے** **ہیں** **ان** **کو** **دیکھا**۔ **میں** **ان** **کو**

**وہاں** **پر** **کلر**، **ایڈیٹوریٹ** **اور** **جا**  
**فرنیچر** **ہم** **پارلیامینٹ** **کے** **ممبروں** **کو**  
**دینے** **والے** **ہیں** **وہ** **بھی** **دیکھا**۔ **نن** **سپیکر**  
**ساہب** **کو** **ایک** **چٹھی** **لکھی** **تھی** **اور** **جس** **کی**  
**نکل** **جنا** **والا** **کو** **بھی** **بھی** **تھی** **کی** **ان**  
**کری** **ایک** **میٹنگ** **ہو** **جائے** **جس** **میں** **یہ** **تہ**  
**ہو** **جائے** **کی** **کون** **کون** **سے** **ایک** **موندیشن**  
**پارلیامینٹ** **کے** **ممبروں** **کے** **لیے** **رکھی** **جائے**  
**اور** **کون** **سے** **ایک** **موندیشن** **رولز** **کر** **دی**  
**جائے** **تاکہ** **ان** **کو** **جنرل** **پول** **میں** **رکھ** **دیا**  
**جائے**۔ **یہ** **جی** **آپ** **کی** **اور** **سپیکر** **ساہب** **کی**  
**مہربانی** **سے** **تہ** **ہو** **جائے** **کی** **کون** **کون**  
**سے** **ایک** **موندیشن** **پارلیامینٹ** **کے** **ممبروں** **کے**  
**لیے** **رکھی** **جائے** **تاکہ** **جو** **ایک** **موندیشن** **بچ**  
**جائے** **پھر** **ہم** **دوسرے** **لوگوں** **کو** **دے** **سکے**۔

**شری** **عبد الغنی** : **کیا** **وزیر** **صاحب**  
**بتلائیں** **کہ** **کو** **آپ** **کی** **تہری** **کے** **نام** **پر**  
**کچھ** **ہزار** **بھکے** **زمین** **چھیل** **کرنجیا**  
**میں** **کچھ** **لوگوں** **کو** **دے** **دکھی** **ہے** -  
**جس** **میں** **ان** **لوگوں** **نے** **لاکھوں** **روپے**  
**کے** **مکانات** **کھوئے** **کر** **دئے** **ہیں** **بچائے**  
**تہری** **کے** **اور** **جو** **انسٹیٹیوٹ** **اور** **آپس** **میں**  
**مل** **کر** **دھنا** **چاہتے** **ہیں** **ان** **کے** **لئے**  
**وزیر** **صاحب** **یہ** **مناصب** **نہیں** **سمجھتے**  
**کہ** **ایسے** **ہوگس** **لوگوں** **کو** **جو** **زمین** **دے**  
**دکھی** **ہے** **اور** **کانگریس** **میں** **نے** **دے** **دکھی** **ہے**  
**ان** **سے** **چھوٹے** **کو** **دے** **دے** **دے**  
**ہی** **جائے** **تاکہ** **وہ** **ذاتی** **طور** **پر** **اپنے**  
**خاندان** **کی** **خدمت** **کر** **سکیں** -

†[**آپ** **ابوبکر** **غنی** : **کیا** **وکیل** **ساہب**  
**بتلائیے** **کی** **کو** **آپ** **پر** **ڈی** **کے** **نام** **پر**  
**کچھ** **ہزار** **باغ** **زمین** **جیل** **کونجا** **میں**  
**کچھ** **لوگوں** **کو** **دے** **رکھی** **تھی** **جس** **میں** **ان** **لوگوں** **نے**  
**لاکھوں** **روپے** **کے** **مکانات** **خوئے** **کر** **دئے** **ہیں**

बजाय डेरी के । और जो आनेस्टली और आपस में मिल कर रहना चाहते हैं क्या उनके लिये बजोर साहब यह मुतासिब नहीं समझते कि ऐसे बोगस लोगों को जो जमीन दे रखी है और कांग्रेसियों ने ले रखी है उनसे छीन कर अच्छे आदिमियों को दे दी जाये ताकि वह जाती तौर पर अपने खानदान की खिदमत कर सकें ।]

श्री मेहर चन्द खन्ना : जहां तक डेरी का ताल्लुक है मैं उसके बारे में नहीं जानता हूं कि यह जमीन मैंने दी है या दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन ने दी है या डी० डी० ए० वालों ने दी है । लेकिन जहां तक पार्लियामेंट के मेम्बरान का ताल्लुक है मैं पहले भी तैयार था और आज भी तैयार हूं कि कोई ऐसा तरीका निकाल लिया जाय जिससे देश या टैक्स पेय्जर के ऊपर इसका बोझ न पड़े और जमीन भी मिल सके ।

SHRI M. R. SHERVANI: May I know, Sir, if a Member has been here for a couple of years and hopes to be here for another fifteen or twenty years, if he applies on individual basis to the Housing Ministry for a small plot, will it be considered favourably?

SHRI MEHR CHAND KHANNA: A Member of Parliament is a charge on the Housing Committee of both the Houses of Parliament. The Minister for Housing has no right to allot a house to a Member of Parliament, he does so on the recommendations of the I House Committee.

SHRI M. R. SHERVANI: I want land.

SHRI MEHR CHAND KHANNA: I am coming to that because you kindly wrote to me the other day. You wanted and I told you that you have to approach the Chairman of the Housing Committee of the Rajya Sabha. As far as the question of land is concerned, lands are available in J Delhi, lands are being sold every day ;

in Delhi. There are plots which are available with the Delhi Administration. I do not think there should be any difficulty and if a Member of Parliament wants his case to be sponsored to the Delhi Administration, I shall be too happy to do so.

#### DEMOLITION OF JHUGGIS AND JHONPAKIB or BHOOLI BHATIARI KA JUNGLE

•356. SHRI B. K. GAIKWAD: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Jhuggis and Jhonparis of the people belonging to the Scheduled Castes at Bhooli Bhatiari Ka Jungle, Panch-kiun Road, New Delhi were demolished by the special staff of Delhi Administration at mid-night and during rains on 7th July, 1964; and

(b) since when these people were residing there?

THE MINISTER or WORKS AND HOUSING (SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) No huts were demolished at mid-night on the 7th July, 1964. The demolition operation\* were carried out during day time on various dates in June, July and August 1964, as unauthorised huts were put up again and again by certain squatters.

(b) These squatters put up unauthorised huts for the first time in the third week of June, 1964.

SHRI B. K. GAIKWAD: My question is since when these hutment dwellers are residing on those sites? He says 3rd June 1964. You will find that the huts are there for years together.

SHRI MEHR CHAND KHANNA: No, not in this case.